Title: Demand to execute the pending projects not implemented during Five Year Plans.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैंने नोटिस तो दूसरे सवाल पर दिया था, लेकिन समाजवादी पार्टी की ओर से मैं कल बागपत जिले के बारौली थाने में ग्रामीणों पर जो गोली चलाई गई, उसकी ओर सदन का ध्यान आकर्ाित करना चाहता हूं।

MR. SPEAKER: Shri Suman, you have to raise the issue on which you have given notice.â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका यह नोटिस नहीं है। एक और नोटिस है, उस पर बोलिए।

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : हमने कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : उनका नोटिस अलग है।

(* Not Recorded.)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, वित्तीय संस्थाओं और विभिन्न देशों से भारत सरकार कर्जा लेती है। इस कर्जे में एक शर्त यह होती है कि निश्चित अवधि में उस कर्जे का प्रयोग होना चाहिए। अगर उस अवधि में हिन्दुस्तान की सरकार उस राशि को खर्च नहीं करेगी तो उसे कमिटमेंट चार्ज देना होगा। यह कमिटमेंट चार्ज 1990 से लेकर अब तक भारत की सरकार देती रही है। भारत सरकार ने अभी पिछले पांच वार्ों का 254 करोड़ रुपया कमिटमेंट चार्ज के रूप में अदा किया है। सी.एंड ए.जी. की जो रिपोर्ट सामने आई है, उसके मुताबिक 1990 से लेकर अभी तक कोई ऐसा वर्ा नहीं है, जिसमें 40 करोड़ रुपए से 60 करोड़ रुपए कमिटमेंट चार्ज के रूप में भारत सरकार ने न दिए हों। सबसे ज्यादा कमिटमेंट चार्ज एशिया बैंक और विश्व बैंक को दिया गया है। मैं निवेदन करना चाहूंगा कि पहली और दूसरी पंचवर्ाीय योजना में जो परियोजनाएं देश में शुरू हुई थीं, उनमें से कम से कम दस परियोजनाएं अभी तक पूरी नहीं हो पाई हैं। भारत सरकार ऋण लेने के बाद भी उसका सही इस्तेमाल नहीं कर पाती, इससे ज्यादा दुखद बात और कोई नहीं हो सकती। मैं चाहता हूं कि जिन लोगों ने उस पैसे का इस्तेमाल नहीं किया, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए।

श्री चन्द्रनाथ सिंह (मछलीशहर) : बागपत में हुई पुलिस फायरिंग पर हमने कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। आपने कहा था कि शून्य काल में हमें मौका दिया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाएं। आप डिस्टर्ब कर रहे हैं। सब लोगों ने नोटिस दिया है।